

श्री सरस्वती माता जी की आरती  
कज्जल पुरति लोचन भारे स्तन युग शोभति मुक्त हारे,  
वीणा पुस्तक रंजति हस्ते भगवती भारती देवी नमस्ते ॥

जय सरस्वती माता जय जय हे सरस्वती माता,  
सद्गुण वैभव शालिनी त्रिभुवन वख्याता ॥

जय सरस्वती माता ॥

चंद्रवदनपिदमासिनी घृतामंगलकारी,  
सोहें शुभ हंस सवारी अतुल तेजधारी ॥

जय सरस्वती माता ॥

बायें कर में वीणा दायें कर में माला,  
शीश मुकुट मणी सोहें गल मोतयिन माला ॥

जय सरस्वती माता ॥

देवी शरण जो आयें उनका उद्धार कया,  
पैठी मंथरा दासी रावण संहार कया ॥

जय सरस्वती माता ॥

वदिया ज्ञान प्रदायिनी ज्ञान प्रकाश भरो,  
मोह और अज्ञान तमिरि का जग से नाश करो ॥

जय सरस्वती माता ॥

धूप दपि फल मेवा माँ स्वीकार करो,  
ज्ञानचक्र दे माता भव से उद्धार करो ॥

जय सरस्वती माता ॥

माँ सरस्वती जी की आरती जो कोई नर गावें,  
हतिकारी सुखकारी ग्यान भक्ती पावें ॥

जय सरस्वती माता ॥

जय सरस्वती माता जय जय हे सरस्वती माता,  
सद्गुण वैभव शालिनी त्रिभुवन वख्याता ॥

जय सरस्वती माता ॥